न्यूज़ टुडे

नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार/ NISAR) उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया

यह **पहला ड्यूल फ्रीक्वेंसी रडार इमेजिंग मिशन है, जो भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग** में एक प्रमुख मील का पत्थर है ।

निसार (NISAR) के बारे में

- **भू-प्रेक्षण उपग्रह (EOS):** यह **प्रत्येक 12 दिनों** में ध्रुवों और चयनित महासागरों सहित वैश्विक भूमि एवं बर्फ से ढकी सतहों की इमेजिंग करेगा। यह **प्रत्येक 97 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा** करेगा।
- **वजन:** 2,392 किलोग्राम।
- **प्रक्षेपण यान:** इसे इसरो के **भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV)-F16 से प्रक्षेपित** किया गया है।
- **कक्षा: सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा।**
  - यह पहली बार है, जब GSLV रॉकेट को **743 किलोमीटर की सूर्य तुल्यकालिक कक्षा (SSO)** में उपग्रह स्थापित करने के लिए उपयोग किया गया है।
    - सामान्यत: GSLV का उपयोग **जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (कक्षा)** में उपग्रह स्थापित करने के लिए किया जाता है। यह कक्षा **पृथ्वी से 35,786 किमी** ऊपर है।
- **इसकी प्रमुख विशेषताएं**
  - NISAR उपग्रह **इसरो द्वारा विकसित I-3K स्पेसक्राफ्ट बस** का उपयोग करके बनाया गया है।
  - **सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR):** यह **L (नासा) और S (इसरो) दोनों बैंड्स पर संचालित होने वाला ड्यूल बैंड** सिंथेटिक एपर्चर रडार है।
    - SAR एक उपकरण है, जो **पृथ्वी की सतह से परावर्तित ऊर्जा को रिकॉर्ड** करता है और **रडार मोशन के माध्यम से हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज** जनरेट करता है।
      - यह अपने पथ में आने वाले विविध स्थानों से प्राप्त **रडार संकेतों को** प्रोसेस करता है, जिससे एक बड़ा "सिंथेटिक" एपर्चर बनता है।
  - **स्वीप SAR तकनीक:** इससे विस्तृत और अलग-अलग भूभाग की हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज ली जा सकती हैं।
- **अपेक्षित मिशन उपयोग अवधि:** कम-से-कम 5 वर्ष।
- **ओपन-डेटा नीति:** इस उपग्रह द्वारा एकत्रित जानकारी वैज्ञानिक समुदाय के लिए नि:शुल्क उपलब्ध होगी, जिससे विकासशील देशों को लाभ होगा।

NISAR: प्रमुख लाभ

काष्ठीय (Woody) बायोमास में परिवर्तन को मापना और ट्रैक करना; सक्रिय फसलों और आर्द्रभूमियों के विस्तार को मापना आदि।	**ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमावरण का मानचित्रण:** यह उपग्रह समुद्री बर्फ और पर्वतीय हिमनदों की गतिशीलता का अध्ययन करने में भी सहायक है।	यह भूकंपीय गतिविधि, ज्वालामुखी, भूस्खलन आदि से संबंधित **भूमि सतह में बदलाव का पता लगाने** में सहायक है।	यह बादलों की उपस्थिति में भी इमेज लेने की क्षमता के चलते **हरिकेन, तूफानी लहरों जैसी मौसम संबंधी आपदाओं के दौरान तत्काल प्रतिक्रिया** करने में मदद करेगा।

सूर्य तुल्यकालिक कक्षा (SSO) और ध्रुवीय कक्षा के बारे में

- **सूर्य तुल्यकालिक कक्षा (SSO):** सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा एक विशेष प्रकार की **ध्रुवीय कक्षा** है। इस कक्षा में स्थापित उपग्रह **ध्रुवीय क्षेत्रों पर से गमन करते हुए, सूर्य के साथ समकालिक** होता है। इसका अर्थ यह है कि उपग्रह हमेशा समान स्थानीय समय पर समान स्थान के ऊपर से गुजरता है।
- **ध्रुवीय कक्षा:** यह **निम्न भू-कक्षा** (पृथ्वी से 2000 किमी से कम ऊंचाई) का एक प्रकार है .इसमें आमतौर पर 200 से 1000 किमी के बीच स्थापित उपग्रह की कक्षा पृथ्वी के **एक ध्रुव से दूसरे ध्रुव से होती हुई गुजरती** है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1 अगस्त 2025 से भारतीय निर्यातों पर 25% टैरिफ और पेनल्टी लगाने की घोषणा की

जनवरी 2025 से अमेरिका ने भारत सहित कुछ व्यापार साझेदारों के खिलाफ टैरिफ संबंधी कदम उठाए हैं। **अप्रैल 2025 में भारत पर 26% रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा** की गई थी, जिसे बाद में रोक दिया गया था।

मौजूदा टैरिफ बढ़ाने के लिए जिम्मेदार कारक

- **व्यापार घाटा:** अमेरिका का भारत के साथ वस्तुओं का व्यापार घाटा 2024 में 45.7 बिलियन डॉलर था, जो 2023 की तुलना में **5.4% अधिक** है।
- **भारत की गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं:** भारत की कृषि सब्सिडी और खाद्य सुरक्षा से संबंधित **सैनेटरी एंड फाइटोसैनेटरी (SPS) नियमों** को अमेरिका ने अपने **निर्यात के लिए बाधा** माना है।
- **भारत की ब्रिक्स (BRICS) सदस्यता:** अमेरिका ब्रिक्स को एंटी-डॉलर समूह मानता है।
- **भारत-रूस संबंध:** अमेरिका ने भारत द्वारा रूस से रक्षा और ऊर्जा आयात करने के कारण भारत पर **अनिर्दिष्ट जुर्माना** लगाने की बात कही है।
  - अमेरिका के प्रस्तावित **'रसियन सैंक्शंस एक्ट, 2025' में उन देशों पर 500% टैरिफ लगाने** का प्रावधान किया गया है, जो रूस से **तेल या पेट्रोलियम उत्पाद** खरीदते हैं।

टैरिफ लागू होने के संभावित प्रभाव

- **द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BTA):** अमेरिका इस टैरिफ का उपयोग भारत पर **अंतरिम व्यापार समझौते** पर वार्ता तीव्र करने का दबाव बनाने के लिए कर सकता है।
  - दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को **500 बिलियन डॉलर से अधिक** करने और एक **बहु-क्षेत्रीय BTA** पर वार्ता करने का लक्ष्य रखा है। 2024 में दोनों देशों के बीच **131.8 बिलियन डॉलर** का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था।
- **प्रतिस्पर्धा में नुकसान:** भारत पर लगाए गए टैरिफ **वियतनाम (20%) और इंडोनेशिया (19%) की तुलना में अधिक** हैं, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर हो सकती है।
- **निर्यात पर असर:** भारत अमेरिका को **गैर-पेटेंट दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक** है। इन दवाओं की कीमतें बढ़ने से भारतीय फार्मा कंपनियों पर असर पड़ सकता है।
- **आपूर्ति श्रृंखला में बाधा:** टैरिफ से लागत बढ़ सकती है, शिपमेंट में देरी हो सकती है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है।

निष्कर्ष

भारत का कहना है कि वह एक **निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी BTA** के लिए प्रतिबद्ध है। भारत अपने किसानों, उद्यमियों तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के कल्याण एवं अपने **राष्ट्रीय हितों** को प्राथमिकता देता रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र उप-महासचिव ने वैश्विक खाद्य प्रणालियों में सुधार के लिए तुरंत कार्रवाई की मांग की

यह अपील **इथियोपिया के अदिस अबाबा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन +4 स्टॉकटेक** (UNFSS+4) में की गई है।

- इस अवसर पर उन्होंने वैश्विक खाद्य प्रणालियों में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए **दूसरी द्विवार्षिक UNFSS+4 रिपोर्ट** भी जारी की।
- **संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली सम्मेलन** की शुरुआत 2021 में की गई थी। इसका उद्देश्य अधिक **लचीली, समावेशी और संधारणीय खाद्य प्रणालियां** सुनिश्चित करना है।

खाद्य प्रणालियां क्या हैं?

- **परिभाषा:** इसमें वे सभी लोग और आपस में जुड़ी मूल्य वर्धन गतिविधियां शामिल हैं जो **कृषि, वानिकी या मात्स्यिकी** से उत्पन्न खाद्य उत्पादों के **उत्पादन, प्रसंस्करण, वितरण, उपभोग और निपटान से जुड़ी** होती हैं।
- **महत्व:** वैश्विक खाद्य प्रणालियों में **11.6 ट्रिलियन डॉलर** मूल्य की छिपी हुई सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लागत निहित हैं।
  - **सामाजिक:** इनका सभी **सतत विकास लक्ष्यों (स्वास्थ्य, शून्य भुखमरी, जैव विविधता, आदि)** के साथ सीधा संबंध है।
    - दुनिया में **783 मिलियन लोग** लंबे समय से भुखमरी से पीड़ित हैं।
  - **आर्थिक:** ये कृषि परिवारों को महत्वपूर्ण **रोजगार** प्रदान करती हैं।
  - **पर्यावरणीय: ये कुल मिलाकर निम्नलिखित के लिए जिम्मेदार हैं:**
    - कुल वैश्विक उत्सर्जन में 30% से अधिक हिस्सेदारी;
    - कुल जैव विविधता नुकसान में 80% हिस्सेदारी;
    - कुल ताजे जल के उपयोग में 70% हिस्सेदारी आदि।

खाद्य प्रणालियां क्यों विफल हो रही हैं?

- **जलवायु परिवर्तन:** बार-बार आने वाली आपदाओं से फसलें नष्ट होती हैं और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होती हैं।
- **बढ़ता ऋण:** अल्प-विकसित देशों में ऋण का बोझ **2010 में राजस्व का 3.1% था, जो 2023 में बढ़कर 12%** हो गया। इससे **स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े निवेश में कमी** आई है।
- **कमजोर अवसंरचना:** खराब भंडारण तथा परिवहन और बाजार तक पहुंच की कमी के कारण एक तिहाई खाद्य खराब हो जाता है या बर्बाद हो जाता है।

लचीली खाद्य प्रणालियों के लिए आगे की राह

- निजी निवेश को बढ़ावा देना चाहिए और स्थानीय क्षमता निर्माण का प्रयास करना चाहिए।
- आपातकालीन सहायता और दीर्घकालिक विकास के बीच **समन्वित कार्रवाई** करने की आवश्यकता है।
- विशेष रूप से **महिलाओं और युवाओं** के नेतृत्व में **समुदाय आधारित समाधान** अपनाने चाहिए।

खाद्य प्रणालियों में सुधार के लिए प्रमुख पहलें

- **COP-28 UAE घोषणा-पत्र:** इसके तहत 160 देशों की सरकारों ने खाद्य प्रणालियों को अपनी राष्ट्रीय जलवायु रणनीतियों से जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है।
- **COP-15 और COP-16 जैव विविधता फ्रेमवर्क्स:** इनमें खाद्य प्रणालियों में सुधार के लिए 23 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनके लिए कार्य योजना और वित्तीय सहायता भी सुनिश्चित की गई है।
- **विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP):** यह लघु कृषकों को बेहतर कृषि पद्धतियां, फसल कटाई के बाद प्रबंधन, व्यापार एवं विपणन कौशल में प्रशिक्षण देता है।
- **अन्य पहलें:** खाद्य प्रणालियां **अब एक शीर्ष वैश्विक प्राथमिकता** बन चुकी हैं। प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं:
  - **G-7 द्वारा शुरू अपुलिया खाद्य प्रणालियां पहल;**
  - **G-20 भुखमरी और निर्धनता के खिलाफ वैश्विक गठबंधन आदि।**

जिम्बाब्वे में आयोजित रामसर CoP-15 के दौरान 'आर्द्रभूमियों के विवेकपूर्ण उपयोग' पर भारत का संकल्प अपनाया गया

'आर्द्रभूमियों के लिए संधारणीय जीवनशैली को बढ़ावा देने' पर भारत के संकल्प को स्वीकार कर लिया गया है। इसे **172 देशों ने समर्थन** दिया, ताकि आर्द्रभीमियों के संरक्षण से संबंधित प्रयासों को बढ़ावा दिया जा सके।

- यह संकल्प **मिशन लाइफ/ Mission LiFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के सिद्धांतों के अनुरूप है।**
  - **मिशन लाइफ** भारत के नेतृत्व वाला एक वैश्विक आंदोलन है। इसे **2021 में ग्लासगो में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन** (COP-26) में प्रस्तुत किया गया था।
  - इसका उद्देश्य **व्यक्तियों और समुदायों** को ऐसी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है, जो **प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने** वाली हो और उसे नुकसान न पहुंचाए।

आर्द्रभूमियों के विवेकपूर्ण उपयोग (Wise Use of Wetland) के बारे में

- यह **रामसर कन्वेंशन** के तहत आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु मुख्य सिद्धांत है ।
- इस कन्वेंशन के तहत संधारणीय विकास के संदर्भ में विवेकपूर्ण उपयोग को **पारिस्थितिकी-तंत्र आधारित पद्धतियों** के आधार पर आर्द्रभूमियों की **पारिस्थितिक विशेषताओं को बनाए रखने** के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - इस प्रकार आर्द्रभूमियों और उनके द्वारा प्रदान की गई सभी सेवाओं का संरक्षण एवं संधारणीय उपयोग संभव होता है, जिससे लोगों व प्रकृति दोनों को लाभ होता है।
- इसके सभी **पक्षकारों पर राष्ट्रीय योजनाओं, कानून, प्रबंधन कार्यों और सार्वजनिक शिक्षा** के माध्यम से विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने का दायित्व सौंपा गया है।
- **आर्द्रभूमियों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति भारत का दृष्टिकोण**
  - **जलीय पारिस्थितिकी-तंत्रों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय योजना** (NPCA) शुरू की गई है।
  - **एकीकृत प्रबंधन योजनाएं** (IMPs) संधारणीय उपयोग के लिए रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं।
  - भारत ने **"वेटलैंड वाइज यूज- एन इम्प्लीमेंटेशन फ्रेमवर्क"** शीर्षक से 2024 फ्रेमवर्क जारी किया है।
  - **'मिशन सहभागिता' और 'आर्द्रभूमि बचाओ अभियान'** में 2 मिलियन से अधिक नागरिक स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुए। इससे **170,000 से अधिक आर्द्रभूमियों का मानचित्रण** संभव हो सका।

रामसर कन्वेंशन के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसे **1971 में ईरान के शहर रामसर** में अपनाया गया था और यह 1975 में लागू हुआ था।
- **इसके बारे में:** यह एक **अंतर-सरकारी संधि है, जो आर्द्रभूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण एवं विवेकपूर्ण उपयोग** के लिए रूपरेखा प्रदान करती है।
- **अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि:** दुनिया भर में **2,500 से अधिक रामसर स्थल** हैं।
  - **अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के लिए मानदंड:** इसके लिए आर्द्रभूमि को रामसर कन्वेंशन द्वारा स्थापित **9 मानदंडों में से कम-से-कम एक को पूरा** करना होता है।
  - वर्तमान में भारत में **91 रामसर स्थल हैं,** जो कि एशिया में **सर्वाधिक** संख्या है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने प्रमुख आर्थिक संकेतकों में बदलाव करने का निर्णय लिया

प्रस्तावित प्रमुख सुधार

- **सकल घरेलू उत्पाद (GDP):** आधार वर्ष (तुलना का मानक वर्ष) **2011-12 से बदलकर 2022-23** किया जाएगा। डाटा स्रोतों को मजबूत किया जाएगा।
  - उदाहरण के लिए- अब **महालेखा नियंत्रक कार्यालय (CGA), MCA-21 और RBI** से प्राप्त डेटा के साथ-साथ **GST, ई-वाहन पोर्टल और UPI** जैसे नए डेटा का भी उपयोग किया जाएगा।
- **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP):** इसका भी **आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23** किया जाएगा।
- **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI):** इसका **आधार वर्ष 2012 से बदलकर 2024** किया जाएगा।
  - हवाई जहाज के किराए, रेल किराए, OTT प्लेटफॉर्म जैसी सेवाओं के लिए **ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स** से डेटा लिया जाएगा। पेट्रोल, डीजल और LPG की कीमतों के लिए **प्रशासनिक रिकॉर्ड** का भी इस्तेमाल किया जाएगा।
- **सेवा क्षेत्रक उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASSSE):** औद्योगिक सर्वेक्षण की तर्ज पर **औपचारिक सेवा क्षेत्रक** को मापने के लिए वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा।
- **घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES):** यह सर्वेक्षण अब **हर पांच साल की बजाय हर तीन साल** में आयोजित किया जाएगा।

सुधारों की आवश्यकता क्यों है?

- **आर्थिक संरचना में बदलावों को समझना:** उदाहरण के लिए- **लोगों के उपभोग पैटर्न में बदलाव, विविध क्षेत्रकों का अर्थव्यवस्था में बदलता महत्व और नए क्षेत्रकों का जुड़ना।** इन बदलावों को पुराने आंकड़ों से सही से नहीं समझा जा सकता।
- **विविध डेटा स्रोतों का उपयोग करना:** उदाहरण के लिए- विनिर्मित उत्पादों हेतु GST रिटर्न जैसे नए स्रोतों से उत्पादन के मूल्य और मात्रा दोनों का सटीक डेटा मिलेगा।
- **वास्तविक आर्थिक संवृद्धि को दर्शाना:** आधार वर्ष में बदलाव से **मुद्रास्फीति के प्रभाव को हटाने के बाद** वास्तविक आर्थिक संवृद्धि को बेहतर ढंग से मापा जा सकेगा।

प्रमुख आर्थिक संकेतक

- **सकल घरेलू उत्पाद (GDP):** यह किसी देश में **किसी निश्चित समय अवधि में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य** को मापता है।
- **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP):** इसे **केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO)** द्वारा तैयार और प्रकाशित किया जाता है। इसमें **खनन एवं उत्खनन (Quarrying), विनिर्माण, और बिजली** जैसे क्षेत्रक शामिल हैं।
- **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI):** यह मुद्रास्फीति की **समष्टि अर्थशास्त्रीय** माप है। यह **घरेलू उपभोग हेतु वस्तुओं और सेवाओं की सामान्य कीमतों के स्तर में बदलाव** का मापन करता है।

अन्य सुर्खियां

राज्य पुलिस महानिदेशकों (DGPs) की नियुक्ति

केंद्र ने राज्य के DGPs (पुलिस प्रमुखों) की नियुक्ति के लिए **सिंगल विंडो प्रणाली** शुरू की है।

- यह प्रक्रिया **प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ (2006) मामले** का अनुसरण करती है, जिसके बाद UPSC द्वारा **2009 के दिशा-निर्देश** जारी किए गए।

नियुक्ति की प्रक्रिया

- **राज्य अपने योग्य अधिकारियों की सूची UPSC को तब भेजते हैं,** जब वर्तमान DGP की सेवानिवृत्त होने में **कम-से-कम 6 महीने शेष** होते हैं।
- **पात्रता:**
  - न्यूनतम **30 वर्ष की सेवा,** या उस राज्य के लिए निर्धारित पुलिस चीफ का पद (या उससे एक क्रम नीचे का पद)
  - जिन अधिकारियों की **सेवानिवृत्ति में 6 महीने से कम का समय बचा है,** वे इसके पात्र नहीं होते हैं।
- **UPSC पैनल समिति** योग्यता के आधार पर **3 अधिकारियों** (या छोटे राज्यों के लिए 2) का एक पैनल चुनती है।
- **राज्य सरकार** इस पैनल से DGP का चयन करती है।

आपूर्ति और उपयोग तालिकाएं (Supply and Use Tables: SUTs)

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 2020-21 और 2021-22 के लिए **आपूर्ति और उपयोग तालिकाएं (SUTs)** जारी की ।

- **राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (NSA) 2024** में प्रकाशित अनुमानों, उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (ASI) जैसे सर्वेक्षण आंकड़ों आदि के आधार पर **140 उत्पादों और 66 उद्योगों को** कवर किया गया है।

SUTs के बारे में

- **यह दो आपस में जुड़े हुए मैट्रिक्स** के रूप में हैं: **आपूर्ति तालिका और उपयोग तालिका।** ये तालिकाएं उत्पाद-उद्योग मैट्रिक्स पर आधारित होती हैं।
  - **आपूर्ति तालिका** वस्तुओं और सेवाओं की कुल आपूर्ति को दर्शाती है जबकि **उपयोग तालिका** इन उत्पादों के उपयोग को दर्शाती है।
- यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के **तीन दृष्टिकोणों** अर्थात **उत्पादन विधि, आय विधि और व्यय विधि को** एकीकृत करती है।

सुरक्षित और वाहन चलाने योग्य सड़कों का मौलिक अधिकार

UPP टोलवेज बनाम MP रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि **सुरक्षित, वाहन चलाने योग्य सड़कों का अधिकार** एक मौलिक अधिकार है।

इस फैसले के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **सुरक्षित, वाहन चलाने योग्य सड़कों** का अधिकार संविधान के **अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार** और **अनुच्छेद 19(1)(G)** के तहत **आवागमन की स्वतंत्रता** का हिस्सा है।
- कोर्ट ने यह भी माना कि **सड़कों का विकास एक सार्वजनिक कर्तव्य है,** और **राज्य की जिम्मेदारी अपने नियंत्रण में आने वाली सड़कों का रखरखाव करना होता है,** न कि निजी ठेकेदार की।

यूएन वुमेन

हाल ही में **यूएन वुमेन** ने अपनी **15वीं वर्षगांठ मनाई।**

यूएन वुमेन के बारे में (मुख्यालय: न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका)

- **उत्पत्ति: 2010 में** संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प द्वारा।
- **उद्देश्य:** महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और उनके सशक्तीकरण को बढ़ावा देना।
- **यह महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के सचिवालय के रूप में कार्य करता है।**
- **संचालन: यूएन महासभा, आर्थिक और सामाजिक परिषद, और संयुक्त राष्ट्र महिला कार्यकारी बोर्ड मिलकर इसके संचालन और नीतिगत मार्गदर्शन के लिए एक बहु-स्तरीय अंतर-सरकारी गवर्नेंस संबंधी संरचना का निर्माण करते हैं।**
  - **संयुक्त राष्ट्र-महिला कार्यकारी बोर्ड में 41 सदस्य देशों** के प्रतिनिधि शामिल होते हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद द्वारा **तीन वर्ष के कार्यकाल** के लिए चुना जाता है।

UNSC 1267 समिति

1267 प्रतिबंध समिति के तहत **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) निगरानी टीम की रिपोर्ट** ने पुष्टि की है कि **पहलगाम आतंकी हमले** के पीछे **पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (LeT)** का एक प्रॉक्सी **द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) का हाथ था।**

- यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे पाकिस्तान (एक अस्थायी सदस्य) सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों द्वारा **सर्वसम्मति से अपनाया गया था।**

1267 समिति के बारे में

- यह समिति **ISIS (Da'esh), अल-कायदा और उनके सहयोगियों** पर लगाए गए प्रतिबंधों की निगरानी करती है।
- सदस्य देशों को सूचीबद्ध व्यक्तियों/ समूहों के विरुद्ध कार्रवाई करनी होती है।
- वर्तमान में समिति की अध्यक्षता **डेनमार्क (दिसंबर 2025 तक) कर रहा है।**

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)।

सरकार ने कहा कि DAY-NRLM के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को **11 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित** किए गए हैं।

DAY-NRLM के बारे में

- **नोडल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **उद्देश्य: स्वयं सहायता समूहों** के माध्यम से ग्रामीण गरीब महिलाओं को संगठित करना **और उनका उत्थान करना।**
- **समर्थन तंत्र:**
  - **यह महिला उद्यम त्वरण निधि (WEAF)** के माध्यम से ऋण सहायता प्रदान करता है।
  - **कृषि और गैर-कृषि** दोनों आय सृजन को प्रोत्साहित करता है।
  - सबसे हाशिए पर रहने वाले लोगों सहित सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए **सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC)** का उपयोग किया जाता है।
  - स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को **बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी के रूप में प्रशिक्षित किया गया।**
- **आउटरीच स्कोप:** देशभर में (दिल्ली और चंडीगढ़ को छोड़कर)

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025

केंद्र सरकार ने **'बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025'** के प्रमुख प्रावधानों को लागू करने की तारीख 1 अगस्त 2025 घोषित की है।

- **इस अधिनियम के तहत संशोधित किए गए प्रमुख बैंकिंग कानून:**
  - RBI अधिनियम, 1934;
  - बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949;
  - SBI अधिनियम, 1955;
  - बैंकिंग कंपनी अधिनियम, 1970 और 1980

प्रमुख परिवर्तन:

- **सब्सिडियल इंटरेस्ट लिमिट:** 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दी गई है (पहली बार 1968 के बाद बदलाव हुआ)।
- **सहकारी बैंक निदेशक** (अध्यक्षों और पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर): **97वें संविधान संशोधन के अनुरूप कार्यकाल 8 से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया गया है।**
- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (PSB) :**
  - अब **बिना दावे वाले शेयरों/ निधियों को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (IEPF)** में स्थानांतरित किया जा सकता है।
  - अब ये **वैधानिक लेखा परीक्षकों** को भुगतान कर सकेंगे, जिससे **बेहतर ऑडिटर को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।**

पिपरहवा अवशेष

भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी हुई।

पिपरहवा अवशेषों के बारे में

- **खोज:** 1898 में ब्रिटिश सिविल इंजीनियर **विलियम क्लैक्सटन पेप्पे** द्वारा **पिपरहवा, सिद्धार्थनगर (प्राचीन कपिलवस्तु), उत्तर प्रदेश** में की गई।
- **महत्त्व:** ये अवशेष भगवान बुद्ध के पार्थिव शरीर के अवशेषों से जुड़े हैं।
- **मुख्य विशेषताएं:** इसमें **हड्डियों के टुकड़े, सोपस्टोन और क्रिस्टल के ताबूत, बलुआ पत्थर का संदूक और स्वर्ण आभूषण** आदि शामिल हैं।
- **समयावधि:** लगभग ईसा पूर्व 3वीं शताब्दी में इन अवशेषों को मंदिर में रखा गया था।
  - एक अस्थि-पेटी पर ब्राह्मी लिपि में एक शिलालेख अंकित है, जो बताता है कि ये अवशेष **शाक्य वंश द्वारा** रखे गए **बुद्ध के अवशेष** हैं।
- **वर्तमान स्थिति:** भारतीय कानून के तहत इन्हें **'AA' श्रेणी की प्राचीन वस्तुएं** घोषित किया गया है, जिनका **निर्यात या बिक्री प्रतिबंधित** है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) (राजधानी: अबू धाबी)

भारत और UAE ने **भारत-UAE संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (JDCC)** की बैठक के दौरान रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

राजनीतिक विशेषताएं

- UAE सात अमीरातों का एक **संवैधानिक संघ** है, जिनमें अबू धाबी, दुबई, शारजाह प्रमुख हैं।
- **सीमावर्ती देश:** इसके पश्चिम और दक्षिण सऊदी अरब, दक्षिण-पूर्व में ओमान है।
- **समुद्री सीमा:** इसके पूर्व में ओमान की खाड़ी, उत्तर और उत्तर-पश्चिम में फारस की खाड़ी है।

भौगोलिक विशेषताएं

- यह **अरब प्रायद्वीप के पूर्वी** भाग में स्थित है।
- यह **हॉर्मुज जलडमरूमध्य** के पास स्थित है, जो कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है।
- **जलवायु:** मरुस्थलीय (गर्मियों में गर्म और आर्द्र, सर्दियों में गर्म और धूप); पूर्वी पर्वतीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत ठंडी।
- **कर्क रेखा संयुक्त अरब अमीरात (अबू धाबी अमीरात)** से होकर गुजरती है।